Government Degree College,

Bagaha, West champaran

Subject - Political Science

(Subsidiary)

Part - 1st

Important Topic

(What is Politics)

राजनीति क्या है ?

H. O. D

Assistant Professor

AJAY KUMAR

Ajaykumar

Scanned with CamScanner

राजनीति क्या है

(What is politics)

आधुनिक काल में समाज का एक सामान्य व्यक्ति जो पढ़ना लिखना जानता है वह इस बात का दावा करता है कि उसे राजनीति का ज्ञान है। दूसरे इस शब्द का प्रयोग धोखेबाजी, बेईमानी आदि के रूप में किया जाता है। इसके अंतर्गत हड़ताल, जुलूस, नारेबाजी, झूठा आश्वासन आदि का भी समावेश किया जाता है। इसे भद्र लोगों का पेशा नहीं माना जाता है।

सामान्यतः राजनीति एक व्यापक मौलिक क्रिया है जो वैसे व्यक्ति से सम्बन्धित है जिसमें उत्तरदायित्व की भावना कायम है। वर्तमान काल में सामाजिक जीवन अत्यधिक जटिल बन गया है। इस जटिलता ने आम जनता के समक्ष जटिल समस्याएँ उत्पन्न कर दी हैं। समाज में परस्पर विरोधी विचार एवं समस्याएँ उत्पन्न होती रहती हैं।

Scanned with CamScanner

इन परस्पर विरोधी विचारों एवं समस्याओं का समाधान राजनीतिक साधनों के द्वारा ही किया जाता है। इस प्रकार समस्त मानव समुदाय, समूह अथवा संघ राजनीति के क्षेत्र में आ गया है। ये सभी राजनीति से प्रभावित हैं। ये उनसे मुक्त नहीं हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि राजनीति का क्षेत्र अत्यधिक व्यापक है। प्रक्रियात्मक रूप में यह सर्वत्र वर्तमान है।

इस संदर्भ में यह भी कहा जा सकता है कि राजनीति एक मौलिक मानवीय क्रिया है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में साथ रहने पर उनके मध्य संघर्ष या मतभेद उत्पन्न होता है। यह मतभेद मूलतः सीमित भौतिक सम्पदाओं के कारण होता है। सीमित साधन उनमें संघर्ष के परिणाम के रूप में आता है। सामाजिक संघर्ष की ऐसी स्थिति और उसे सुलझाने के लिए अपनायी जानेवाली प्रक्रिया को 'राजनीति' की संज्ञा दी जाती है।

Scanned with CamScanner

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि राजनीति का क्षेत्र अत्यधिक व्यापक है। राजनीति एक मानवीय प्रक्रिया है। यह उसके अन्य क्रियाओं से पृथक और मौलिक है।

इस रूप में यदि राजनीति शब्द का विश्लेषण किया जाए तो इसके कई तत्व स्पष्ट हो जाते हैं- राजनीति मनुष्यकी विभिन्न क्रियाओं में से एक क्रिया है। एक सामाजिक प्राणी होने के कारण व्यक्ति सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आदि क्रियाओं का सम्पादन करता है। 'राजनीति' का सम्बन्ध व्यक्ति के सिर्फ राजनीतिक क्रियाकलापों से होता है। इसके माध्यम से उनके पारस्परिक विवादों का निष्पादन संभव हो पाता है। समाज में संघर्ष और विवादों को दूर करने और सुव्यवस्था स्थापित करना इसका प्रमुख कार्य है।

'राजनीति' एक निरंतर चलनेवाली प्रक्रिया है। यह सामाजिक समस्याओं और विवादों को दूर करने के लिए तब तक कार्यरत रहती है जबतक स्वतः मतैक्य की स्थिति उत्पन्न नहीं हो जाती है।

Scanned with CamScanner

इस प्रकार की क्रियाओं का चक्र निरंतर चलता रहता है। इसमें प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से हर व्यक्ति सहभागी होता है।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि राजनीति संघर्ष का परिणाम है। समाज में व्यक्तियों की आवश्यकताओं में विविधता होती है। साधन सीमित होते हैं। इन साधनों की प्राप्ति, इनका उपयोग और इनपर नियंत्रण के लिए उनके मध्य प्रतिस्पर्धा होती है जो संघर्ष को जन्म देता है। संघर्ष के समाधान के लिए विवेक, अनुनय-विनय, मध्यस्थता अथवा इसी प्रकार के अन्य साधनों का उपयोग किया जाता है। कभी-कभी बल प्रयोग का भी सहारा लिया जाता है। इस प्रकार संघर्ष के समाधान के लिए अपनायी जानेवाली विधि राजनीति का अंग बन जाता है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि राजनीति राज्य की सीमाओं से बँधा नहीं होता है। यह राज्यविहीन समाज से राज्य की सीमाओं के परे भी कार्यरत होता है। मॉर्गेन्थाउ जैसे विचारक तो राजनीति को शक्ति के लिए संघर्ष की स्थिति मानते हैं। आज इसकी स्थिति और अधिक व्यापक बन गई है।

Scanned with CamScanner

यह राज्य और राज्य से सम्बन्धित निकायों तक सीमित नहीं, बल्कि इसके अंतर्गत सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, नैतिक आदि गतिविधियाँ भी आ जाती हैं।

इस प्रकार राजनीति एक मौलिक मानवीय क्रिया है। इसे समग्र समाज के संदर्भ में ही समझा जा सकता है। यह मूल्यों के अधिकारिक आवंटन तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि लक्ष्य प्राप्ति का साधन है। यह विभिन्न उपलब्ध विकल्पों में सर्वोत्तम विकल्प के चुनाव की क्रिया है।

Scanned with CamScanner